B.A. 3rd Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-1

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

Answer the questions either from **Group-A** or **Group-B**

Group-A

(Basic Elements of (Āyurveda)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्ना:* समाधेया:। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) आयुर्वेदशास्त्रस्य उत्स: कस्मिन् वेदे उपलभ्यते?

আয়ুর্বেদ শাস্ত্রের উৎস কোন বেদে উপলব্ধ হয়?

(b) आयुर्वेदस्य किं लक्षणम्?

আয়ুর্বেদের লক্ষণ কী?

(c) 'चिकित्सासारसंग्रह'-इति ग्रन्थस्य रचयिता क:?

'চিকিৎসাসারসংগ্রহ'-গ্রন্থের রচয়িতা কে?

(d) चरकसंहिताया: टीकाद्वयस्य नाम लिख्यताम्।

চরকসংহিতার দুটি টীকার নাম লেখো।

(e) को नाम वृक्षायुर्वेद:?

বৃক্ষায়ুর্বেদ বলতে কী বোঝায়?

(f) आयुर्वेदशास्त्रे नागार्जुनविरचितस्य कस्यचित् ग्रन्थद्वयस्य उल्लिख्यताम्।

আয়ুর্বেদশাস্ত্রে নাগার্জুন বিরচিত দুটি গ্রন্থের নাম লেখো।

(g) जीवक: कस्मिन् समये आविर्भूतोऽभवत्?

জীবক কোন সময়ে আবির্ভূত হয়েছিলেন?

(h) कौमारभृत्यतन्त्रविषये संक्षिप्ता टीका विरचनीया।

কৌমারভৃত্যতন্ত্র বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) चरकसंहितामाश्रित्य नातिदीर्घ: प्रबन्धो विरचनीय:।

চরকসংহিতা অবলম্বনে সংক্ষিপ্ত প্রবন্ধ রচনা করো।

(b) भावमिश्र: क: आसीत्? आयुर्वेदशास्त्रे तस्य अवदानम् आलोचनीयम्।

ভাবমিশ্র কে ছিলেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে তাঁর অবদান আলোচনা করো।

(c) आयुर्वेदचिकित्सायां वाग्भटविरचितानां ग्रन्थानां परिचयो प्रदेय:।

আয়ুর্বেদ চিকিৎসায় বাগ্ভট বিরচিত গ্রন্থসমূহের পরিচয় দাও।

(d) आयुर्वेदशास्त्रे चक्रपाणिदत्तस्य अवदानम् आलोचनीयम्।

আয়ুর্বেদশাস্ত্রে চক্রপাণিদত্তের অবদান আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु किञ्चन प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) कानि तावत् आयुर्वेदस्य अष्टाङ्गानि? चिकित्साशास्त्रे तेषाम् उपयोगो विचार्यताम्।

আয়ুর্বেদের আটটি অঙ্গ কী কী? চিকিৎসাশাস্ত্রে তাদের উপযোগিতা বিচার করো।

(b) आयुर्वेदशास्त्रस्य इतिवृत्तं यथामति आलोच्यताम्।

আয়ুর্বেদশাস্ত্রের ইতিহাস সম্বন্ধে আলোচনা করো।

(c) सुश्रुत: क: आसीत्? आयुर्वेदशास्त्रे तस्य किम् अवदानम् अस्ति?

সুশ্রুত কে ছিলেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে তাঁর কী অবদান রয়েছে?

(d) बौद्धयुगे आयुर्वेदस्य प्रभाव: संक्षेपेण समुल्लिख्यताम्।

বৌদ্ধ যুগে আয়ুর্বেদের প্রভাব সংক্ষেপে আলোচনা করো।

अथवा,

অথবা,

Group-B

(Yogasūtra of Patañjali)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* समाधेयाः। 2×5=10

निम्नलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) पातञ्जल-योगसूत्रस्य प्रख्यातः टीकाकारः कः? का तस्य टीका?

পাতঞ্জল যোগসূত্রের প্রখ্যাত টীকাকার কে? তাঁর টীকার নাম কী?

(b) कानि तावत् योगस्य अष्टाङ्गानि?

যোগের আটটি অঙ্গ কী কী?

(c) पातञ्जल-योगसूत्रस्य चत्वारः पादाः के सन्ति?

পাতঞ্জল যোগসূত্রের চারটি পাদ কী কী?

(d) कथं चित्तवृत्तिनिरोधः सम्भवति?

চিত্তবৃত্তি নিরোধ কীভাবে সম্ভব?

(e) पातञ्जल-योगसूत्रे आसनस्य किं लक्षणम् उक्तम्?

পাতঞ্জল যোগসূত্রে আসনের কী লক্ষণ উক্ত হয়েছে?

(f) को नाम अपरिग्रहः?

অপরিগ্রহ বলতে কী বোঝায়?

(g) काः तावत् चित्तवृत्तयः?

চিত্তবৃত্তিগুলি কী কী?

(h) को नाम स्वाध्यायः?

স্বাধ্যায় বলতে কী বোঝায়?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) "अथ योगानुशासनम्" इति सूत्रं व्याख्यायताम्?

"অথ যোগানুশাসনম্" এই সূত্রটি ব্যাখ্যা করো।

(b) नियमाङ्गानां विषये पातञ्जलयोगसूत्रे यदुच्यते तद् विशदीक्रियताम्?

নিয়ম নামক যোগাঙ্গ সম্বন্ধে পাতঞ্জল যোগসূত্রে যা বলা হয়েছে তা আলোচনা করো।

(c) अभ्यासस्वरूपम् आलोच्यताम्?

অভ্যাসের স্বরূপ আলোচনা করো।

(d) ''तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेद: प्राणायाम:''– व्याख्या

"তস্মিন্ সতি শ্বাসপ্রশ্বাসয়োর্গতিবিচ্ছেদঃ প্রাণায়ামঃ" — ব্যাখ্যা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु किञ्चन प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) को नाम योग:? कथं योग: अधिगतो भवति?

যোগ কাকে বলে? তা কীভাবে আয়ত্ত হয়?

(b) वैराग्यस्वरूपम् आलोच्यताम्। किं नाम परवैराग्यम्?

বৈরাগ্যের স্বরূপ আলোচনা করো। পরবৈরাগ্য কাকে বলে?

(c) यमाङ्गानां विषये पातञ्जलयोगसूत्रे यदुच्यते तद् विशदीक्रियताम्?

যম নামক যোগাঙ্গ সম্বন্ধে পাতঞ্জল যোগসূত্রে যা বলা হয়েছে তা আলোচনা করো।

(d) टीका लेख्या (द्वयो:)

যেকোনো দুটি বিষয়ে টীকা লেখো ঃ

चित्तभूमय:, समाधि:, ईश्वरप्रणिधानम्।

———